**HIMALAYA KI BETIYA**

**प्रश्न-1  लेखक ने किसको ससुर और किसको दामाद कहा है?**

उत्तर-  लेखक ने हिमालय को ससुर और समुद्र को उसका दामाद कहा है।

**प्रश्न-2   नदियों का उल्लास कहाँ जाकर गायब हो जाता है?**

उत्तर-  नदियों का उल्लास मैदान में जाकर गायब हो जाता है।

**प्रश्न-3 नदियां कहाँ उछलती, कूदती और हँसती दिखाई पड़ती हैं?**

उत्तर -  नदियां हिमालय की गोद में उछलती, कूदती और हँसती दिखाई पड़ती हैं।

**प्रश्न-4   हिमालय की बेटियाँ पाठ के लेखक कौन हैं?**

उत्तर -  हिमालय की बेटियाँ पाठ के लेखक नागार्जुन हैं।

**प्रश्न-5   इस पाठ में हिमालय की बेटियाँ किन्हें कहा गया है?**

उत्तर -  इस पाठ में हिमालय की बेटियाँ नदियों को कहा गया है।

**प्रश्न-6   नदी का गंभीर और शांत रूप किस भाँति प्रतीत होता है?**

उत्तर -  नदी का गंभीर और शांत रूप संभ्रांत महिला की भाँति प्रतीत होता है।

**प्रश्न-7   लेखक ने नदियों का कुछ और रूप कब देखा?**

उत्तर -  जब लेखक हिमालय के कंधे पर चढ़ा तो उसने नदियों का कुछ और रूप ही देखा।

**प्रश्न-8   किसका विराट प्रेम पाकर भी नदियों का हृदय अतृप्त ही रहता है?**

उत्तर -  अपने महान पिता का विराट प्रेम पाकर भी अगर नदियों का हृदय अतृप्त ही रहता है।

**प्रश्न-9   हिमालय पर नदियों का रूप और स्वभाव कैसा होता है?**

उत्तर -  हिमालय पर नदियाँ दुबली पतली होती हैं और इनके स्वभाव में चंचलता होती है।

**प्रश्न-10   लेखक के दिल में नदियों के लिए आदर और श्रद्धा के भाव क्यों थे?**

उत्तर -  लेखक के दिल में नदियों के लिए आदर और श्रद्धा के भाव इसलिए थे क्योंकि वें माता स्वरूप होती हैं।

**प्रश्न-11   नदियों की बाललीला कहाँ देखने को मिलती हैं?**

उत्तर -  नदियों की बाललीला बरफ़ जली नंगी पहाड़ियों में और छोटे-छोटे पौधों से भरी घाटियों में देखने को मिलती हैं।

**प्रश्न-12   मैदानों में नदियों का रूप और स्वभाव कैसा होता है?**

उत्तर -  समतल मैदानों में उतरकर नदियों का रूप विशाल हो जाता है। नदियाँ मैदानों में बड़ी गंभीर, शांत, अपने आप में खोई हुई लगती हैं।

**प्रश्न-13  नदियों को हिमालय की बेटियाँ क्यों कहा गया है?**

उत्तर-  नदियों को हिमालय की बेटियाँ इसलिए कहा गया है क्योंकि इनकी उत्पत्ति हिमालय की बर्फ़ पिघलने से हुई है।

**प्रश्न-14   नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफ़ी पुरानी है। लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?**

उत्तर-  नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफ़ी पुरानी है लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें बेटियों, प्रेयसी व् बहन के रूपों में भी देखते हैं।